कानपुर, मंगलवार, 24 फरवरी, 2026
वर्ष: 03, अंक: 52, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

साध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड आधी रात अस्पताल ले जाए गए इमरान खान...>Pg12

अखिलेश दुबे को जमानत मगर कानपुर आने पर रोक...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

टेकऑफ के बाद इंजन में स्पार्किंग, लेह जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

150 यात्रियों की सांसें अटकीं

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से मंगलवार सुबह लेह के लिए रवाना हुई SpiceJet की एक नियमित उड़ान में टेकऑफ के तुरंत बाद तकनीकी गड़बड़ी सामने आने से हड़कंप मच गया। विमान के एक इंजन में असामान्य स्पार्किंग देखे जाने की सूचना मिलते ही कॉकपिट क्रू ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तत्काल एहतियाती आपात स्थिति घोषित की और विमान को दिल्ली वापस लाने का निर्णय लिया।

करीब 150 यात्रियों और छह क्रू सदस्यों को लेकर उड़ान भरने वाला यह विमान Boeing 737 मॉडल का था। उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद कॉकपिट को इंजन से जुड़े असामान्य संकेत मिले। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित कर मानक आपात प्रोटोकॉल लागू किया। विमान को नियंत्रित ऊंचाई पर स्थिर रखते हुए दिल्ली की ओर मोड़ा गया।

एयरपोर्ट प्रशासन ने एहतियातन रनवे के पास फायर टेंडर, एंबुलेंस और तकनीकी टीमों को तैनात कर दिया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत

➩ बोइंग 737 में आई तकनीकी गड़बड़ी, पायलट की सतर्कता से टल गया बड़ा खतरा, डीजीसीए ने मांगी रिपोर्ट

विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। टैक्सी वे पर पहुंचने के बाद यात्रियों को सामान्य ढंग से उतारा गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी भी यात्री या क्रू सदस्य को कोई चोट नहीं आई। एयरलाइन के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि कॉकपिट में आग लगने की कोई चेतावनी सक्रिय नहीं हुई थी, लेकिन इंजन में असामान्य स्पार्किंग को देखते हुए सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए वापसी का निर्णय लिया गया। सभी यात्रियों को वैकल्पिक विमान से लेह भेजने की व्यवस्था की गई।

घटना की सूचना नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दे दी गई है। विमान को विस्तृत तकनीकी निरीक्षण के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। प्रारंभिक जांच में इसे तकनीकी खराबी माना जा रहा है, जबकि विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि

- विमान में लगभग 150 यात्री और क्रू सदस्य सवार थे
- टेकऑफ के कुछ ही मिनट बाद इंजन में स्पार्किंग देखी गई
- पायलट ने एहतियाती आपात स्थिति घोषित की
- फायर ब्रिगेड व मेडिकल टीमें रनवे पर अलर्ट रहीं
- सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित
- डीजीसीए ने तकनीकी जांच शुरू की
- विमान को फिलहाल ग्राउंड कर निरीक्षण किया जा रहा है

आधुनिक विमानों में बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणाली होती है और जरा-सी आशंका पर भी एहतियाती कदम उठाए जाते हैं। यही कारण है कि संभावित खतरे को समय रहते टाल लिया गया। मंगलवार की यह घटना एक बार फिर यह साबित करती है कि विमानन क्षेत्र में सतर्कता और त्वरित निर्णय ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। पायलट और एटीसी के समन्वय ने संभावित बड़े हादसे को टाल दिया और 150 परिवारों को बड़ी राहत मिली।

हाल के वर्षों की प्रमुख ऐसी घटनाएं

मई 2023 - स्पाइसजेट, दिल्ली-जम्मू
केबिन में धुआं दिखाई देने पर उड़ान को दिल्ली वापस लाया गया। सभी यात्री सुरक्षित।

अक्टूबर 2021 - इंडिगो, दिल्ली-श्रीनगर
तकनीकी संकेत मिलने पर उड़ान को डायवर्ट किया गया।

जुलाई 2022 - स्पाइसजेट, पटना-दिल्ली
टेकऑफ के तुरंत बाद बर्ड हिट की आशंका पर विमान को पटना में उतारा गया।

जनवरी 2020 - एयर इंडिया, दिल्ली-लेह
तकनीकी खराबी के चलते टेकऑफ के बाद वापसी, यात्रियों को दूसरी उड़ान से भेजा गया।

हादसे की एआई जनरेटेड फोटो

लखनऊ में 'नीला ड्रम' हत्याकांड

बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या की, शव के टुकड़े कर ठिकाने लगाने की साजिश

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। मेरठ की सनसनीखेज घटना के बाद अब राजधानी लखनऊ में भी 'नीला ड्रम' से जुड़ा एक भयावह हत्याकांड सामने आया है। यहां बेटे अक्षत प्रताप सिंह ने अपने पिता मानवेंद्र प्रताप सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव के कई टुकड़े कर उन्हें नीले ड्रम में भर दिया और अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगाने की कोशिश की।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अक्षत अपने पिता द्वारा लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के दबाव से परेशान था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

➩ मेरठ के बाद राजधानी लखनऊ में दिल दहला देने वाली वारदात
➩ प्रतियोगी परीक्षा के दबाव को लेकर विवाद बना हत्या की वजह

घटना वाले दिन भी इसी मुद्दे पर कहासुनी हुई, जो हिंसक रूप ले बैठी। गुस्से में आकर अक्षत ने पिता को गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की साजिश रची। उसने शव को कई टुकड़ों में काटा और उन्हें एक नीले ड्रम में भर दिया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी सिर, हाथ और पैर के कुछ हिस्सों को अलग-अलग स्थानों पर फेंक चुका था। वह धड़ को

भी ठिकाने लगाने की तैयारी में था, तभी पुलिस को भनक लग गई।

पड़ोसियों की सूचना और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर पुलिस ने छानबीन शुरू की। तलाशी के दौरान नीले ड्रम से शव के अवशेष बरामद हुए। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध कबूल कर लिया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। शव के बचे हुए हिस्सों की तलाश भी जारी है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं और पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच की जा रही है।

यह घटना न केवल पारिवारिक रिश्तों के टूटते विश्वास को दर्शाती है, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव और मानसिक तनाव के गंभीर पहलू को भी उजागर करती है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजधानी में हुई इस वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और 'नीला ड्रम' शब्द एक बार फिर भय का प्रतीक बन गया है।

केडीए वीसी के निर्देश पर एल्डिगो की जमीनों का होगा टेक्निकल सर्वे !

एल्डिगो का बडा खेल सामने आया है, केडीए को 4 करोड रूपए देकर 40 करोड से अधिक की जमीन हथियाई

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण में अगर आम आदमी का सौ रूप्या भी बकाया होगा तो प्लाट निरस्त कर दिया जाता है या फिर भारी भरकम ब्याज लग जाता है लेकिन बडे बिल्डर्स अपने हिसाब से केडीए चलाते हैं। अब देखिए नामी गिरामी इल्डिगो टाउनशिप रियल स्टेट कंपनी ने जोन-2 स्थित जवाहरपुरम में बल्क में 50 एकड जमीन केडीए से खरीदी इसकी करीब कीमत 45 करोड से अधिक है। इल्डिगो टाउनशिप ने 4 करोड रूपए जमा किया।

» केडीए सूत्रों का दावा है कि इल्डिगो ने 50 एकड जमीन ली लेकिन पूरा पैसा आजतक नहीं जमा किया

» 39 करोड रूपए की बकाए की नोटिस दबाने के मामले का स्वराज इंडिया ने किया था खुलासा

FOLLOW UP

उसको 39 करोड रूपए जमा करने का नोटिस भी दिया गया लेकिन आजतक रूप्या नहीं दिया गया। बाकी फाइल ठंडे बस्ते में डाल दी गई।

लोकप्रिय सांध्य दैनिक समाचार पत्र ने 20 फरवरी 2025 को खुलासा किया था कि जोन-2 जवाहरपुरम सेक्टर 9 पुराना-14 में क्षेत्रफल 45310.00 वर्गमीटर दिनांक 30-04-2025 और 9, 950.71 वर्गमीटर सहित अन्य जगहों पर भूमि आवंटित की गई थी। इसके लिए इल्डिगो टाउनशिप लिमिटेड को केडीए में बाकी के 39 करोड 18 लाख रूपए जमा करने थे। तत्कालीन ओएसडी डा0 रविप्रताप सिंह ने 2-04-2025 को इल्डिगो टाउनशिप एफएफ वीरेंद्र स्मृति कांपलेक्स सिविल लांइस को नोटिस पत्र जारी कर 30 अप्रैल 2025 तक धनराशि प्राधिकरण में कोष में जमा करने के लिए कहा था अन्यथा कि दशा में ब्याज सहित राशि वसूलने की बात पत्र में कही गई है। इसी बीच डा. रविप्रताप सिंह का तबादला अन्य जोन में हो गया था, बताया जा रहा है कि इल्डिगो टाउनशिप की ओर से एक चलताउ जवाब पत्र भी दिया गया था, उसमें 5 आराजियों की खरीद नहीं करने को कहा गया है लेकिन सेल विभाग ने मामले को चुपके से दबा दिया था।

स्वराज इंडिया | कानपुर सिटी | 03

केडीए: इल्डिगो टाउनशिप की 39 करोड़ रूपए की नोटिस 'लापता'

इल्डिगो टाउनशिप रियल स्टेट कंपनी ने जोन-2 जवाहरपुरम में केडीए की जमीन खरीदी थी

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

केडीए की मीनाक्षी गुप्ता, ओएसडी जोन-2 सेल ने मामले का संज्ञान लेकर फाइल की छानबीन की तो पता चला कि 3 स्टेप में जमीन दी गई है पूरा मामला सही पाया गया। उन्होने इस प्रकरण को लेकर उपाध्यक्ष को अवगत कराया था, उपाध्यक्ष ने इतनी बडी धनराशि अबतक न जमा होने को गंभीरता से लिया।

सोमवार को मीटिंग में उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने नाराजगी जताते हुए कहा कि एल्डिगो टाउनशिप को केडीए से दी गई सभी जमीन का टेक्निकल सर्वे लैंड बैंक प्रभारी ओएसडी बृजेंद्र उपाध्याय करने को कहा। उन्होने कहा कि इस मामले में लापरवाही या मिलीभगत मिलने पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

सामाजिक समरसता के संदेश के साथ मनाई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

लाजपत भवन में भव्य समारोह, शोभायात्रा व सम्मान कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर कुर्मी परिवार समागम द्वारा लाजपत भवन में सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित किया गया। छत्रपति महोत्सव की शुरूआत मोतीझील मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित शिवाजी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया इसके पश्चात प्रतिमा स्थल से लाजपत भवन तक आशीष सचान, राजेन्द्र प्रसाद, अरविन्द सचान के निर्देशन में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रथ पर सवार शिवाजी के आसपास घुड़सवार सैनिक और डीजे की धुन पर लोग नाचते गाते चल रहे थे। यात्रा में जय भवानी जय शिवाजी के नारों की गूंज थी। लाजपत भवन में शिवाजी के आगमन पर लोगों ने शानदार स्वागत किया। सम्मेलन की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ सामूहिक राष्ट्रगान व जीजाऊ वन्दना से किया गया। सम्मेलन का संचालन डॉ. अनूप सचान ने किया। इस मौके पर किसान सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश काकड़े ने कहा

कि शिवाजी को महाराजा व छत्रपति माता जीजाऊ ने बनाया था। हमें अपने समाज में जीजाऊ पैदा करना है जिससे हजारों शिवाजी अपने आप पैदा होगें। उन्होंने कहा कि कुर्मी देश पर राज करने के लिये हैं। शिवाजी ने कभी पंचांग मुहूर्त या कैलेण्डर देख युद्ध नहीं किए। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि शिवाजी ने अपने कौशल से भारत में डंका

बजाया। शिवाजी सिर्फ महाराजा नहीं उन्होंने सियासत बदलने का कार्य किया। दि मिशन सरदार के अध्यक्ष चिराग भाई पटेल ने कहा कि हम समरसता नहीं समता में विश्वास करते हैं। हम सब एक दूसरे के साथ काम करें यही समता है। मराठा समन्वय परिषद प्रधान कमलेश पाटिल ने कहा कि देश को बनाने व खिलाने वाले कुर्मी हैं। गया प्रसाद कटियार, महामना राम स्वरूप वर्मा, चौधरी नरेन्द्र सिंह सचान, पूर्व कुलपति सर्वज्ञ सिंह कटियार, राम किशोर वर्मा, प्रभू दयाल सिंह सचान, रमेश उत्तम, डॉ. बृजलाल वर्मा, डॉ. सोनेलाल पटेल, ओपी आर्या के परिजनों को आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। समाज के उत्थान में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले पारिवारिक सदस्यों को भी कुर्मी परिवार समागम में सम्मानित किया गया। इस दौरान बीजेपी जिला मंत्री संजय कटियार, आशीष सचान, जय नारायन कटियार, राजेन्द्र वर्मा, अरविन्द सचान, अनुक्रम सिंह, बृजेंद्र स्वरूप सचान, योगेन्द्र सचान, आलोक सचान, आनन्द कटियार, प्रमोद सचान अवधेश कटियार, बीडी सचान, हेमन्त कटियार आदि मौजूद रहे।

इलाके की अन्य अवैध इमारतों और निर्माणों पर भी छानबीन के निर्देश

अवैध निर्माण: 22 गज में 6 मंजिल वाली इमारत सील

केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह ने तत्काल संज्ञान लेकर की कड़ी कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बिरहाना रोड, पटकापुर और चौक सर्राफा जैसे अति घनी आबादी वाले इलाके में छोटे छोटे प्लाटस में खतरनाक मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स खडी की जा रही हैं। इसमें पटकापुर की 22 गज जमीन में 6 मंजिल इमारत का मामला शहर में काफी चर्चा का विषय बना। वहीं, अवैध रूप से खडी की गई मौत की इमारत को सोमवार को केडीए प्रवर्तन टीम द्वारा सील कर दिया गया। वहीं सूत्रों का दावा है कि इलाके में इस तरह से एक दर्जन से अधिक ऐसी इमारतों पर काम चल रहा है, जो कि खतरा बन सकती हैं।

सचिव अभय पांडेय ने बताया कि अवैध और अनाधिकृत निर्माण रोकने के लिए सख्त निर्देश हैं। वहीं, जोन 1 के अंतर्गत पटकापुर के निर्माणकर्ता मोहित त्रिपाठी के प्लाट नंबर 19/76 में अवैध रूप से नीचे दुकानें और उपर 6 फलैट का निर्माण किया गया था।

केडीए ने तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई की गई। प्रवर्तन टीम के द्वारा सील कर दिया गया। वहीं, बताया जा रहा है कि इस अवैध इमारत को बचाने के लिए उसको अध्यसित करने के लिए आनन फानन में शटर लगा दिए गए और एक अस्थाई दुकान खोलने की कोशिश की गई थी लेकिन केडीए टीम ने नाकाम कर दिया। प्रवर्तन प्रभारी सीबी पांडेय ने बताया कि घनी आबादी इलाके में अवैध निर्माणों को रोकने के लिए सघन चेकिंग करा रहे हैं, अन्य निर्माणों को चिन्हित करके कार्रवाई की जाएगी।

04 www.swarajindianews.com कानपुर, बुधवार, 11 फरवरी, 2026 | कानपुर सिटी | स्वराज इंडिया

गज़ब! 22 गज जगह में बहुमंजिला इमारत, नीचे दुकानें ऊपर फ्लैट्स

» पैसे के लालच में बिल्डर कर रहे हैं इंसानी जिंदगी से खिलवाड़
» संकरी गलियों में खड़ी हो रही मौत की इमारतें, केडीए की लापरवाही पर सवाल
» पटकापुर चौकी के पास महज़ 22 गज जगह में खड़ी हो गई बहुमंजिला इमारत

पूर्व पार्षद के गठजोड़ से अवैध निर्माण का बड़ा काकस

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर का संवेदनशील इलाका पटकापुर, जहां पर हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों की मिलीजुली ...

अवैध निर्माण की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी, इस संबंध में प्रवर्तन से रिपोर्ट मांगी गई है।

स्वराज इंडिया ने किया था खुलासा

अखिलेश दुबे को जमानत मगर कानपुर आने पर रोक

➪ हर सोमवार थाने में हाजिरी, विवेचना पूरी होने तक शहर से बाहर रहने की सख्त शर्त

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। चर्चित प्रकरण में आरोपी अखिलेश दुबे को अदालत से जमानत तो मिल गई है, लेकिन राहत के साथ कड़ी शर्तें भी जुड़ी हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि विवेचना पूरी होने तक वे कानपुर शहर की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे। इसके साथ ही उन्हें प्रत्येक सोमवार संबंधित थाने में अनिवार्य रूप से हाजिरी लगानी होगी।

अदालत द्वारा पारित आदेश में कहा गया है कि जमानत का उद्देश्य आरोपी को अस्थायी स्वतंत्रता देना है, न कि जांच को प्रभावित करने का अवसर। इसी को ध्यान में रखते हुए यह शर्त जोड़ी गई है कि वे न तो किसी गवाह से संपर्क करेंगे और न ही साक्ष्यों से छेड़छाड़ करेंगे। यदि किसी भी शर्त का उल्लंघन पाया गया तो जमानत निरस्त की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि अखिलेश दुबे के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में पूर्व में निचली अदालत से राहत नहीं मिली थी। इसके बाद उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर की गई, जहां से सशर्त जमानत स्वीकृत की गई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पष्ट किया कि जांच की निष्पक्षता सर्वोपरि है। जमानत आदेश के बाद उनके समर्थकों ने इसे ÷न्याय की जीत÷ बताते हुए संतोष जताया। समर्थकों का कहना है कि अदालत ने तथ्यों को ध्यान में रखते हुए संतुलित निर्णय दिया है। वहीं विपक्षी पक्ष ने दावा किया है कि वे जमानत की शर्तों और आदेश को चुनौती देंगे। उनका कहना है कि जमानत रद्द कराने के लिए विधिक विकल्प खुले हैं। फिलहाल अखिलेश दुबे को राहत तो मिल गई है, लेकिन कानपुर से दूरी और साप्ताहिक हाजिरी की शर्त ने उनकी गतिविधियों पर स्पष्ट अंकुश लगा दिया है। अब सभी की नजरें विवेचना की प्रगति और आगे की न्यायिक कार्यवाही पर टिकी हैं।

जमानत की प्रमुख शर्तें

- विवेचना पूरी होने तक कानपुर शहर में प्रवेश वर्जित
- प्रत्येक सोमवार संबंधित थाने में अनिवार्य उपस्थिति
- गवाहों से संपर्क या दबाव बनाने पर पूर्ण रोक
- जांच में सहयोग करना अनिवार्य
- शर्तों के उल्लंघन पर जमानत निरस्तीकरण की चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट से अखिलेश दुबे को अंतरिम जमानत!

अखिलेश दुबे प्रकरण एक बार फिर सुर्खियों में

रंगदारी, जमीन कब्जा समेत कई मामलों में जेल में बंद थे; कानपुर में कानूनी हलकों में बढ़ी हलचल

क्या है मामला

अखिलेश दुबे 6 अगस्त 2025 से जेल में बंद

परिवार भी आया जांच के घेरे में

सुप्रीम कोर्ट में हुई प्रभावी पैरवी

'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' बना मां के आंसुओं का सहारा

➪ कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर भटके मासूम को आरपीएफ ने बचाया, 442 बच्चों को मिल चुका है नया सहारा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। भीड़ से भरे प्लेटफॉर्म पर जब एक चार वर्षीय मासूम की सिसकियां गूंज रही थीं, तब कहीं दूर उसकी मां का कलेजा भी चिंता से कांप रहा होगा। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक नन्हा बालक रोता हुआ मिला। उसकी आंखों में डर था और होंठों पर बस मां का नाम। वह बार-बार अपना नाम राजू और मां का नाम पिंकी बता रहा था, मानो इसी सहारे वह फिर से मां की गोद तक पहुंच जाएगा।

गश्त पर तैनात उप निरीक्षक नितिन कुमार की नजर जब उस बच्चे पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत उसे अपने संरक्षण में लिया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत चाइल्ड लाइन को सूचना दी गई। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बालक को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया गया।

एक मां के लिए कुछ पल की जुदाई भी पहाड़ जैसी होती है। ऐसे में यह अभियान न केवल बच्चों के लिए सुरक्षा कवच बन रहा है, बल्कि उन माताओं के लिए भी उम्मीद की किरण है, जिनके जिगर के टुकड़े भीड़ में कहीं खो जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 442 बच्चों को सुरक्षित बचाकर उनके परिजनों से मिलाया जा चुका है। रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखें और किसी भी बिछड़े बच्चे की सूचना तुरंत रेलवे कर्मियों को दें, ताकि कोई मां अपने लाल के लिए यूं तड़पने को मजबूर न हो।

नगर निगम का किराया न देने पर स्मार्ट सिटी के आफिस होंगे सील !

समीक्षा बैठक में मेयर प्रमिला पांडे ने अफसरों को दिए निर्देश

» कार्यकारी बैठक के बाद स्मार्ट सिटी के दफ्तरों पर हो सकती सीलिंग की कार्रवाई

» पार्षद कोटे की शेष धनराशि पर प्रस्ताव आमंत्रित करने के निर्देश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम समिति कक्ष में मंगलवार को आयोजित अभियन्त्रण विभाग की समीक्षा बैठक में महापौर प्रमिला पांडे ने आगामी होली पर्व एवं प्रस्तावित कार्यकारिणी बैठक को दृष्टिगत रखते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक में शहर में चल रहे विकास कार्यों, सड़कों की खुदाई, नाला-नाली निर्माण तथा पार्षद कोटे के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में पार्षद कोटे के कार्यों हेतु निर्धारित 55 करोड़ की धनराशि में शेष बची राशि से प्रत्येक पार्षद से 20-20 लाख तक के नए प्रस्ताव तत्काल लिए जाने के निर्देश दिए गए। महापौर ने कहा कि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। सीएम ग्रिड, नाला-नाली, डाट नाला एवं सीवर लाइन से संबंधित कार्यों के कारण शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खुदाई जारी है। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां सड़कों को तत्काल मोटरेबल बनाया जाए। होली पर्व के मद्देनजर नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। नगर निगम की बिल्डिंग और जमीन में स्मार्ट सिटी के कार्यालय और कन्वेंशन सिटी संचालित किया जा रहे हैं उनका किराया एक रुपया नगर निगम को दिया गया है. इस पर मेयर ने नाराजगी जाहिर करते कहा कि उनके आफिस सील कर दिए जाएं.

फाइलों का डाटा लीक बढ़ने पर मेयर नाराज

बैठक में फाइलों एवं अन्य डाटा के लीक होने के मामलों पर भी महापौर प्रमिला पांडे ने कड़ी नाराजगी जताई और जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक गोपनीयता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि होली पर्व से पूर्व सभी प्रमुख मार्गों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों की विशेष निगरानी की जाए तथा अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराया जाए। बैठक में अभियन्त्रण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेयर ने कहा कि अगर इसी तरह से डाटा का लीकेज होता रहा तो हम स्टील का बॉक्स बनवाएंगे उनमें ताला रहेगा वह भी उसी में फाइलों से आदान-प्रदान होगा.

होलिका दहन के बाद तत्काल सफाई की रणनीति बनाएँ

होलिका दहन के लिए सड़कों पर डाली जाने वाली मिट्टी को कार्यक्रम के तुरंत बाद हटाने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात सुचारु रहे और सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो।

नहर सुंदरीकरण कार्य की प्रगति रिपोर्ट मांगी

दक्षिण कानपुर की नहर सीटीआई से हलवाखाड़ा होते हुए सिंचाई विभाग की नहर के सुंदरीकरण हेतु स्वीकृत 7 करोड़ की धनराशि से संबंधित कार्यों की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही डाट नाला की वर्तमान स्थिति पर भी विस्तृत जानकारी मांगी गई. मेयर ने कहा कि

जहां भी सड़क की खुदाई हो रही है, वहां संबंधित ठेकेदारों को पूरे दिन पानी का छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए, ताकि धूल से नागरिकों को परेशानी न हो।

सम्पादकीय

दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार

यह कोई नई बात नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी कद-काठी व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है। बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को 'हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र' बताया था। लेकिन अफसोस की बात यह है कि बार-बार भारत के इस विशिष्टता वाले पूर्वोत्तर को तरह-तरह से लांछित किया जाता रहा है। विडंबना है कि इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते रहे हैं। कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द 'धंधेवाली' से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था। इस घटनाक्रम के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर धर्म, जाति व जन्मस्थान आदि के आधार पर कटुता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। निस्संदेह, इस दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार ने एक गहरे जख्म को ही उजागर किया है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा को सिरे से खारिज करने वाली सोच है। साल 2014 में नीदो तानिया की हत्या से लेकर 2025 में अंजेल चकमा की हत्या तक, यह दुराग्रहों का सिलसिला साफ नजर आता है। अक्सर आरोप लगाये जाते रहे हैं कि पूर्वोत्तर के छात्रों व श्रमिकों को उनकी शारीरिक बनावट, खान-पान और भाषा के आधार पर निशाना बनाया जाता है।यह विडंबना ही है कि कुछ संकीर्ण लोग भारत की समृद्ध विविधता की विरासत का मर्म नहीं पहचानते हैं। किसी राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व सदियों से चली आ रही संस्कृति हमारे रूप-रंग-भाषा व व्यवहार का निर्धारण करती है। कोस-कोस पर भाषा-पानी बदलने वाले देश की यह विविधता इसकी खूबसूरती भी है। इसके मर्म का सम्मान करना व अंगीकार करना हर भारतीय का दायित्व भी है। पर्वतीय इलाकों का परिवेश व जलवायु व्यक्ति के सरल, सहज, सौम्य व्यवहार व कद-काठी का भी निर्धारण करती है। पूर्वोत्तर समाज में स्त्री प्रधान पारिवारिक व्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उसकी महती भूमिका को शेष देश के लोगों द्वारा संशय से देखा जाता है। फलतः परस्पर विश्वास की इस सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका को लेकर नकारात्मक धारणाएं गढ़ ली जाती हैं। यही वजह है कि पूर्वोत्तर के लोगों द्वारा आरोप लगाया जाता कि उनकी महिलाओं को शक की नजर से देखा जाता है और उन पर बिना किसी आधार के अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप तक लगाए जाते हैं। निस्संदेह, कालांतर में पैदा होने वाली नस्लीय शत्रुता इस घटनाक्रम का ही एक घिनौना रूप है। हाल ही के दिल्ली प्रकरण में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष है सामाजिक श्रेष्ठता का दावा करना, किसी बड़े राजनेता से संबंध होने का रौब दिखाना और दूसरे को कमतर मान कथित 'औकात' के नाम पर उपहास करना।

संज्ञानात्मक युद्ध - दांवपेच का सातवां रणक्षेत्र

पुष्परंजन

मेघना नदी दस्तावेज की तार्किक सीख है कि भारत का संवैधानिक प्रारूप एक राजनीतिक विकल्प से कहीं अधिक है। यह संज्ञानात्मक लचीलेपन के लिए एक रणनीतिक संपत्ति है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृत्रिम नैरेटिव के युग में, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था एक...मेघना नदी दस्तावेज की तार्किक सीख है कि भारत का संवैधानिक प्रारूप एक राजनीतिक विकल्प से कहीं अधिक है। यह संज्ञानात्मक लचीलेपन के लिए एक रणनीतिक संपत्ति है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृत्रिम नैरेटिव के युग में, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था एक परम वितरित रक्षा के रूप में कार्य करती है।

युद्ध का शब्दिक अर्थ अपनी परिभाषा से बाहर निकल चुका है। सदियों से, शक्ति का माप हल की नोक और युद्धपोत के पीछे बनने वाली लहरों से किया जाता रहा है। रणनीति ने भूमि, समुद्र, वायु, शांत गहराइयों, अंतरिक्ष के निर्वात और साइबर ग्रिड की टिमटिमाती शिराओं का मानचित्रण कर लिया है। आज एक सातवें कार्यक्षेत्र (डोमेन) ने चुपचाप रणनीति की धुरी को हर लिया है। एक अनुभूति ः सबसे अंतरंग और सबसे व्यापक।यह बदलाव अब और अधिक सैद्धांतिक नहीं रहा। पूर्वी यूरोप से लेकर पश्चिम एशिया तक और हमारी अपनी विवादित सीमाओं पर, युद्ध का दायरा पहले ही विस्तृत हो चुका है। प्रभाव अभियान अब प्रत्यक्ष कार्रवाई से पहले, उसके साथ और उसके बाद तक जारी रहता है। केंद्र बिंदु अब मंचों से धारणा की तरफ सरक रहा है, केवल मारक क्षमता से हटकर एकजुटता कायम रखने वाला समाज ही तनाव के दौरान बचा रह सकता है।आधुनिक युद्धक्षेत्रों में, नैरेटिव की गति, सूचनागत आघात और सामाजिक लचीलेपन के जरिए परिणाम निरंतर आकार लेते जा रहे हैं।, जिसका अनुमान परंपरागत सिद्धांत पूरी तरह लगा नहीं पाए।एकजुट रखने वाला कार्यक्षेत्र ः राष्ट्र शक्ति का शून्य-शून्य, भारतीय सभ्यता का एक योगदान, गणित में वह मूक गुणांक है जो पैमाना बनाता है। किसी राष्ट्र की संरचना में सामाजिक सामंजस्य वही बुनियादी भूमिका निभाता है। इस शून्य के बिना, शक्ति का अंकगणित अस्थिर हो जाता है। इसके बगैर, सबसे उन्नत गतिज ताकतें, मिसाइलें, उपग्रह और विमान वाहक बेड़े तक भी आकर्षण खो देते हैं। जब सामाजिक विश्वास भंग हो जाए, तो सैन्य क्षमता थम जाती है। जब दोनों एकीकृत हो जाएं, तो राष्ट्रीय शक्ति अधिक वेग से आगे बढ़ती है।इसलिए संज्ञान आधुनिक युद्धों में जोड़ने वाले डोमेन के रूप में उभरा है। इसकी एक सतह पर लोगों में एकता निहित है; दूसरी सतह पर युद्ध के छह पारंपरिक माध्यम संचालित होते हैं। प्रत्येक स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकता है, लेकिन उनकी असली क्षमता एकीकरण में निहित है। सातवें कार्यक्षेत्र में एकता वह जोड़ने वाला पदार्थ है जो सबको थामे रखता है।नदी का सिद्धांत ः क्षरण से घेराबंदी तक - भारत ने 1971 के युद्ध में इस गतिशीलता का आरंभिक प्रदर्शन देख लिया था। 'मेघना क्रॉसिंग', एक दुस्साहसिक नदी पारीय अभियान, जिसने ढाका के लिए राह खोल दी, इसने बलों की तैनाती से कहीं अधिक किया। इसने प्रतिद्वंद्वी की अपरिहार्यता की धारणा को बदलकर रख दिया।

जलीय बाधा के तर्क ने आगे बढ़ने की संभावना को खारिज कर रखा था, लेकिन वायुसैन्य प्रहारों और बख्तरबंद दस्तों वाले अभियान ने संज्ञानात्मक अनुभूति आघात दिया। प्रतिद्वंद्वी के पास गोला-बारूद ख़त्म नहीं हुआ था; बल्कि लड़ने की इच्छाशक्ति उखड़ गई थी। इस संज्ञानात्मक आघात ने आत्मसमर्पण गति को तीव्रता दी।कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में, 'मेघना सिद्धांत' पुनः तीव्र प्रासंगिकता प्राप्त कर गया है। सातवें डोमेन में, उद्देश्य संज्ञानात्मक घेराबंदी बनाना है- प्रतिद्वंद्वी द्वारा भंग करने से कहीं पहले, अपने प्रणालीगत संतुलन की संभाल लेना। यह लाभ संकट के दौरान कभी भी सुधारा नहीं जा सकता; इसे युद्धों के बीच के काल में निरंतर, कल्पनाशील प्रशिक्षण के माध्यम से ढालना पड़ता है।

भारतीय आकाश को अभेद्य कवच में बदल देंगे

मोदी का संबोधन

निरंजन भंडारी

आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है। ड्रोन झुंड जैसे हमलों के दौर में यह प्रणाली आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से क्रांतिकारी साबित हो सकती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इजरायल दौरा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यह यात्रा भारत की सुरक्षा ढाल की नींव मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

हम आपको बता दें कि भारत पहले ही स्वदेशी बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र के निर्माण में जुटा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2035 तक प्रमुख शहरों और सामरिक प्रतिष्ठानों को मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षित करना है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित 30 किलोवाट क्षमता की उच्च ऊर्जा लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा प्रणाली एमके टू ए इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अब भारत की नजर इजरायल की 100 किलोवाट श्रेणी की आयरन बीम प्रणाली पर है, जो आयरन डोम के साथ मिलकर कम दूरी की रॉकेट, मोर्टार और ड्रोन को कुछ ही क्षणों में ध्वस्त कर सकती है।आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है। ड्रोन झुंड जैसे हमलों के दौर में यह प्रणाली आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से क्रांतिकारी साबित हो सकती है।

हम आपको बता दें कि भारत सुदर्शन चक्र के तहत मध्यम और लंबी दूरी की बराक आठ प्रणालियों, एआई

आधारित सेंसर और साइबर सुरक्षा तंत्र को एकीकृत कर रहा है। इसी के साथ इजरायल की एरो और डेविड स्लिंग जैसी दूरवर्ती अवरोधन प्रणालियों के तत्वों को भी समझ जा रहा है, ताकि बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार हो सके। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य का युद्ध पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। उस दौरान भारत ने रैम्पेज मिसाइल, हारोप और हार्पी जैसे कामिकाजे ड्रोन तथा स्पाइस एक हजार सटीक मार्गदर्शित बमों का उपयोग कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया था। इन प्रणालियों ने सटीकता, मारक क्षमता और तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया था।हम आपको यह भी बता दें कि फोर्ब्स इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में इजरायल ने भारत के साथ 8.6 अरब डालर के रक्षा सौदों पर सहमति जताई है। इनमें राफेल द्वारा निर्मित स्पाइस एक हजार बम, 250 किलोमीटर मारक क्षमता वाली रैम्पेज वायु से भूमि मिसाइल, एयर लोरा बैलिस्टिक मिसाइल तथा 300 किलोमीटर रेंज वाली आइस ब्रेकर मिसाइल प्रणाली शामिल है। फ्रांस के बाद इजरायल भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन चुका है।हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा वर्ष 2017 के बाद इजरायल की दूसरी यात्रा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी जाएगी। भारत केवल खरीददार की भूमिका में नहीं रहना चाहता, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र खड़ा करना चाहता है। यह स्पष्ट संदेश होगा कि भारत अब केवल जवाब नहीं देता, बल्कि पहले से तैयार रहता है।

तीसरा प्रभाव क्षेत्रीय गठजोड़ के रूप में दिखेगा। नेतन्याहू द्वारा प्रस्तावित तथाकथित षटकोणीय गठबंधन, जिसमें भारत, ग्रीस, साइप्रस, अरब और अफ्रीकी देश शामिल हो सकते हैं, कट्टर धुरी के मुकाबले संतुलन की नई धुरी बना सकता भारत की पश्चिम एशिया में सामरिक उपस्थिति और ऊर्जा सुरक्षा दोनों मजबूत होंगी।चौथा प्रभाव तकनीकी आत्मनिर्भरता पर पड़ेगा। एआई, क्वांटम और उच्च प्रौद्योगिकी सहयोग से भारत का रक्षा उद्योग अगली पीढ़ी की युद्ध प्रणालियों में अग्रणी बन सकताहै।

..तो एसडीएम ने रास्ते की उठ रही आवाज पर राह निकाल दी

○ अरौल थाना निर्माण से खेतों तक जाने वाला रास्ता बंद हो रहा था ○ किसानों ने दी थी आंदोलन की चेतावनी, वार्ता से बनी सहमति

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर ब्लॉक के ग्राम नसिरापुर के किसानों के सामने उस समय संकट खड़ा हो गया जब ग्राम बकोठी में नवनिर्मित थाना अरौल के निर्माण से खेतों तक जाने वाला रास्ता प्रभावित होने लगा। खेती ही जिनकी रोजी-रोटी है, उसी रास्ते के बंद होने की आशंका से ग्रामीणों में बेचैनी बढ़ गई थी। 13 फरवरी 2026 को ग्राम प्रधान व ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी बिल्हौर को शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आंदोलन की चेतावनी दी थी। साफ कहा था कि यदि रास्ता बंद हुआ तो खेती ठप हो जाएगी और परिवारों पर आर्थिक संकट गहरा सकता है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए बिल्हौर एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित सोमवार को नायब तहसीलदार सीपी राजपूत व राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थाना अरौल के इंस्पेक्टर को भी बुलाया गया। पड़ताल में सामने आया कि संबंधित मार्ग राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं है, जिससे स्थिति और पेचीदा हो गई थी।

मौके पर थाना अध्यक्ष अरौल, पड़ोसी काश्तकारों और ग्रामीणों के बीच लंबी बातचीत चली। आखिरकार सहमति का रास्ता निकला और किसानों के आवागमन के लिए समाधान तय कर दिया गया। निर्णय होते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे।रास्ता मिलने से किसानों के माथे से चिंता की लकीरें मिट गईं। ग्राम प्रधान रामेंद्र कटियार सहित ग्रामीणों ने प्रशासनिक सक्रियता की सराहना करते हुए अधिकारियों का आभार जताया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि किसानों के हितों से जुड़ा कोई भी मुद्दा अनदेखा नहीं किया जाएगा।

बरौली स्कूल का रास्ता कब बनेगा: जहां एक ओर प्रशासनिक हस्तक्षेप से नसिरापुर में रास्ते का समाधान निकल गया, वहीं ग्राम बरौली का उच्च प्राथमिक विद्यालय आज भी पक्के मार्ग के इंतजार में है। गांव से दूर जंगल और खेतों के बीच बना उच्च प्राथमिक विद्यालय बरौली आज भी पक्के रास्ते की आस में आंखें बिछाए बैठा है। 20 साल हो गए, लेकिन हालात जस के तस। रास्ता जैसे हर रोज गुजरने वाले बच्चों से पूछता है। क्या मेरी किस्मत में यूं ही जख्म लिखे हैं? करीब दो साल पहले आपके अपने स्वराज इंडिया अखबार ने इस दर्द को प्रमुखता से उठाया था। तब तहसील प्रशासन में बैठीं तत्कालीन एसडीएम रश्मि लाम्बा ने लंबा-चौड़ा पत्र डीएम, बीडीओ और खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह को लिखा। निरीक्षण हुआ, चौपाल लगी, सहमति बनी, रिपोर्ट तैयार हुई, अफसरों की गाड़ियां भी पहली बार उस कच्चे रास्ते से गुजरीं।

उस दिन लगा था कि अब शायद मरहम लग ही जाएगा । लेकिन वक्त बीता, फाइलें सरकती रहीं और सड़क वहीं की वहीं रही। नेताओं से सवाल हुए, अधिकारियों से जवाब मांगे गए मिला तो सिर्फ भरोसा। हर बार कहा गया जल्द बनेगा... लेकिन "जल्द" कब आएगा, कोई नहीं बताता। बरौली स्कूल का रास्ता आज भी दर्द से कराह रहा है... और पूछ रहा है। कोई आएगा भी मेरे जख्मों पर मरहम लगाने या फिर मेरे हिस्से में सिर्फ आश्वासन ही लिखा है?

बारिश से पहले बने रास्ता तो मिले राहत

आने वाले महीनों में अब बारिश दस्तक देने वाली है। फिर वही कीचड़, वही फिसलन, वही खतरा। बच्चे पढ़ने कम, संघर्ष ज्यादा करने पहुंचेंगे। और स्कूल फिर अस्थाई रूप से पास की फैक्ट्री में संचालित होगा। स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि अब तो खेत की मेड़ भी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। बारिश से पहले अगर रास्ता बन जाए तो ठीक रहेगा। नहीं तो बच्चों और हम लोगों को जान जोखिम में डालकर आना पड़ेगा।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का शैक्षिक भ्रमण

परिषदीय स्कूलों के नौनिहालों ने देखा विज्ञान का जीवंत संसार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विकासखंड के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए गुरुवार का दिन अविस्मरणीय बन गया, जब उन्हें राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का शैक्षिक भ्रमण करने का अवसर मिला। कक्षा 6 से 8 तक के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित शीर्ष 100 विद्यार्थियों को इस एक्सपोज़र विजिट के लिए चुना गया था।

संस्थान पहुंचते ही बच्चों के उत्साह का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने गन्ने से चीनी बनने की संपूर्ण वैज्ञानिक प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। प्रयोगशालाओं में चल रहे शोध कार्यों, उन्नत तकनीकों और मशीनों को करीब से देखकर विद्यार्थियों ने विज्ञान को किताबों से निकलकर वास्तविक रूप में अनुभव किया।

संस्थान के वैज्ञानिकों ने सरल भाषा में गन्ने की उन्नत किस्मों, रोग नियंत्रण, आधुनिक खेती तकनीकों तथा चीनी, बीयर, एल्कोहल और स्पेशल शुगर निर्माण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। निदेशक डॉ. सीमा परोहा (सीमा पाहवा), शिवानी राठी, विवेक प्रताप सिंह, अमरेश प्रताप सिंह और दया शंकर मिश्रा सहित अन्य विशेषज्ञों ने बच्चों के प्रश्नों का उत्साहपूर्वक उत्तर दिया।

खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक समझ भी प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों ने भी स्वीकार किया कि पहली बार उन्होंने चीनी बनने की पूरी प्रक्रिया को इतनी नजदीक से देखा, जिससे विज्ञान विषय के प्रति उनकी रुचि और बढ़ गई है। यह शैक्षिक भ्रमण न केवल बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उनके भीतर विज्ञान और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी जगाकर गया।

➪ शक्कर बनने की प्रक्रिया देख रोमांचित हुए बच्चे, करियर के नए सपनों को मिली उड़ान

निदेशक के साथ सेल्फी, बेटियों के चेहरे पर मुस्कान

नानामऊ उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्राएं स्वेच्छा और अनन्या ने संस्थान की निदेशक के साथ सेल्फी लेकर अपनी खुशी जाहिर की। निदेशक ने भी बेटियों को आगे बढ़ने और उच्च शिक्षा प्राप्त कर इसी संस्थान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उनका सादगीपूर्ण और आत्मीय व्यवहार बच्चों के मन को छू गया।

शर्करा अनुसंधान का राष्ट्रीय केंद्रः एक नजर में

यह संस्थान देश का एकमात्र प्रमुख केंद्र है, जहां शर्करा पर उच्च स्तरीय शोध एवं प्रशिक्षण दिया जाता है। देश की विभिन्न चीनी मिलों के वैज्ञानिक यहीं से प्रशिक्षित होकर निकलते हैं। यहां संचालित विभिन्न कोर्स उद्योग और शोध क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान के 80 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी महिला को निदेशक पद की जिम्मेदारी मिली है। यह जानकारी मिलते ही भ्रमण पर आई बेटियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। वैज्ञानिकों ने बताया कि सामान्यतः 40 रुपये प्रति किलो बिकने वाली शक्कर को विशेष तकनीकों के माध्यम से दस से बीस गुना मूल्य तक पहुंचाया जा सकता है। देशभर में बिकने वाली चीनी के मानक निर्धारण में भी इस संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

- ☛ राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत चयनित 100 मेधावी छात्र-छात्राओं ने किया भ्रमण।
- ☛ गन्ने से चीनी बनने की संपूर्ण वैज्ञानिक प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन।
- ☛ प्रयोगशालाओं में चल रहे शोध कार्यों को देखा और विशेषज्ञों से संवाद किया।
- ☛ निदेशक ने बच्चों को विज्ञान एवं शोध क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।
- ☛ संस्थान के 80 वर्षों के इतिहास में पहली बार महिला निदेशक की नियुक्ति।
- ☛ देशभर की चीनी मिलों के वैज्ञानिकों का प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र है संस्थान।
- ☛ शक्कर के मूल्य संवर्धन और गुणवत्ता मानक निर्धारण में संस्थान की अहम भूमिका।

पिता ने उजाड़ा अपना ही घर, पांच जिंदगियों का खौफनाक अंत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कासगंज। कासगंज जिले के अमांपुर क्षेत्र में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। एटा रोड स्थित मकान से पुलिस ने सत्यवीर, उनकी पत्नी रामश्री, बेटियां प्राची और अमरवती तथा बेटे गिरीश के शव बरामद किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सत्यवीर ने पहले अपने परिवार की हत्या की और फिर खुद फंदे पर लटककर जान दे दी।पुलिस जांच में इस हृदयविदारक घटना के पीछे कई कारण सामने आए हैं।

बताया जा रहा है कि सत्यवीर का बेटा गिरीश गंभीर न्यूरो बीमारी से जूझ रहा था, जिसके इलाज में हर महीने 15 से 20 हजार रुपये खर्च हो रहे थे। वहीं आर्थिक तंगी, कर्ज का दबाव और

» आर्थिक तंगी, बीमार बेटे और पारिवारिक विवाद ने बढ़ाया तनाव

» जहर देकर बच्चों-पत्नी की हत्या के बाद खुद फंदे पर झूला, जांच में जुटी पुलिस

पारिवारिक संपत्ति को लेकर विवाद भी उसके मानसिक तनाव की बड़ी वजह बने।जानकारी के मुताबिक, सत्यवीर ने बच्चों और पत्नी को जहर दिया। पत्नी के गले पर चाकू से वार के भी निशान मिले हैं। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम को खरपतवारनाशक का खाली डिब्बा और खून से सना चाकू बरामद हुआ है। हालांकि अब तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे घटना के सटीक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।घटनास्थल का मंजर बेहद भयावह था। सत्यवीर का शव फंदे पर लटका मिला, जबकि पत्नी और तीनों बच्चों के शव अलग-अलग चारपाइयों पर पड़े थे। पुलिस, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड टीम ने मौके पर गहन जांच की, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है।बताया जा रहा है कि सत्यवीर के तीनों बच्चे पढ़ाई में बेहद होनहार थे। बड़ी बेटी प्राची कक्षा 6, अमरवती कक्षा 5 और बेटा गिरीश कक्षा 1 में पढ़ता था। एक बेटी ने हाल ही में प्रतिष्ठित परीक्षा भी पास की थी।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही घटना की असली वजह सामने आ सकेगी। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में लाल बारादरी को लेकर विवाद, छात्रों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

» संरक्षित इमारत को सुरक्षा कारणों से बंद करने पर दो गुट आमने-सामने

» प्रशासन ने कहा फेंसिंग कार्य पूरा होने तक रहेगी रोक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित ऐतिहासिक इमारत लाल बारादरी को बंद किए जाने के बाद छात्र संगठनों के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। एक पक्ष जहां बारादरी को खोले जाने की मांग कर रहा है, वहीं दूसरा पक्ष सुरक्षा कारणों से इसे बंद रखने का समर्थन कर रहा है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लाल बारादरी एक पुरानी और संरक्षित इमारत है। भवन की जर्जर स्थिति तथा परिसर में चल रहे फेंसिंग कार्य के चलते एहतियातन प्रवेश पर रोक लगाई गई है। प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय सुरक्षा मानकों के तहत लिया गया है और इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोकना है।इमारत बंद किए जाने के बाद छात्रों का एक गुट बारादरी खोलने की मांग को लेकर सक्रिय हो गया। उनका कहना है कि परिसर में

पूर्व से धार्मिक गतिविधियां होती रही हैं और अचानक प्रवेश प्रतिबंधित किए जाने से छात्रों में असंतोष है। इस संबंध में छात्रों ने ज्ञापन सौंपकर पुनर्विचार की मांग की है।दूसरी ओर, कुछ छात्र संगठनों ने प्रशासन के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एक शैक्षणिक संस्थान है और सुरक्षा सर्वोपरि है। इसी क्रम में एक समूह ने परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ शुरू किया। उनका कहना है कि यदि धार्मिक गतिविधियों को लेकर विवाद उत्पन्न हो रहा है तो प्रशासन को स्पष्ट और समान नीति अपनानी चाहिए।विवाद की स्थिति को देखते हुए परिसर में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि फेंसिंग एवं सुरक्षा संबंधी कार्य पूर्ण होने के बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। फिलहाल लाल बारादरी में प्रवेश प्रतिबंधित है और प्रशासन वार्ता के माध्यम से समाधान तलाशने की बात कह रहा है।

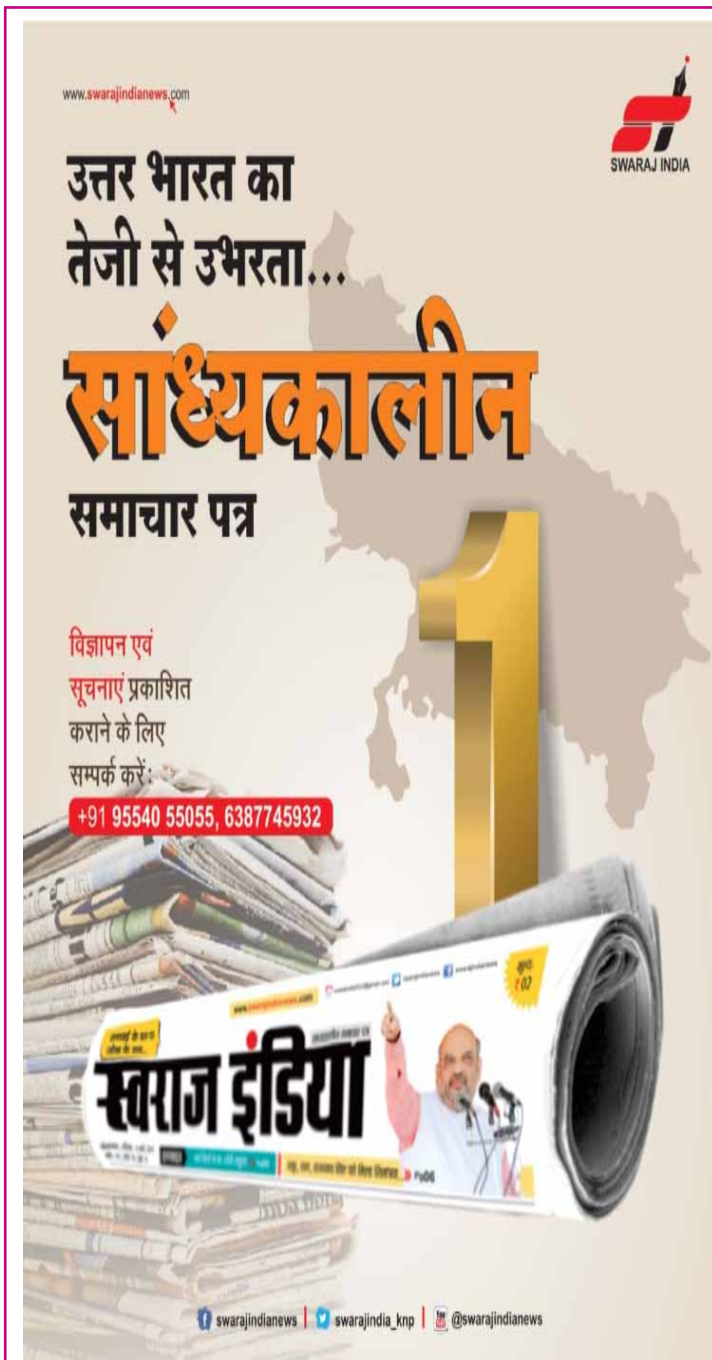

भोगनीपुर वन क्षेत्र में तेंदुए की तलाश तेज, 20 दिनों से दहशत

घोड़े को मारने की घटना के बाद वन विभाग की सघन कांबिंग, कई गांवों में अलर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर वन रेंज क्षेत्र में पिछले लगभग 20 दिनों से तेंदुए की सक्रियता के कारण ग्रामीणों में भय का वातावरण बना हुआ है। हाल ही में खोजा रामपुर गांव में तेंदुए द्वारा एक घोड़े को मार डालने की घटना के बाद वन विभाग ने तलाश अभियान और तेज कर दिया है।

उप प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्वा पांडेय के नेतृत्व में चार वन टीमें लगातार बीहड़ों और आसपास के गांवों में सघन कांबिंग अभियान चला रही हैं। यद्यपि कई दिनों से चल रहे प्रयासों के बावजूद तेंदुए को अब तक पकड़ा या चिन्हित नहीं किया जा सका है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने, समूह में लाठी-डंडा लेकर निकलने तथा रात्रि के समय अनावश्यक आवागमन से बचने की सलाह दी है।

तेंदुए की पहली झलक 2 फरवरी की रात दिबैर की मड़ैया में देखी गई थी। इसके बाद गुबार और जल्लापुर गांवों में भी उसकी गतिविधियां सामने आईं। जल्लापुर में सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ कैद हुआ, जिसके आधार पर वहां पिंजड़ा भी लगाया गया, किंतु वह दिशा बदलकर निकल गया। इसके पश्चात उसने खोजा रामपुर में घोड़े को शिकार बना लिया। दमनपुर गांव स्थित एक ईंट भट्ठे के निकट भी तेंदुए के देखे जाने की सूचना मिली है। लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में लगातार उसकी आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

सोमवार को वन विभाग की टीमों ने दमनपुर, विजहरा और पिचौरा समेत अनेक गांवों में घंटों तक सर्च ऑपरेशन चलाया। बीहड़ों में व्यापक तलाशी के बावजूद तेंदुआ पकड़ में नहीं आया। मंगलवार को भी अभियान निरंतर जारी रहा, किंतु सफलता नहीं मिल सकी। अभियान में रेंजर स्वामीदीन, डिप्टी रेंजर गुरुनारायण, वन दरोगा आशीष कन्नौजिया, वन रक्षक इंद्रेश कुमार और कात्यायनी मिश्रा सहित अन्य कर्मचारी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें, बच्चों को अकेले बाहर न भेजें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग को दें।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में राजपुर के शिक्षक अंशुल गुप्ता सम्मानित

सामाजिक विज्ञान विषय की शैक्षिक नवाचार कार्यशाला में मॉडल प्रस्तुति को मिली सराहना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सामाजिक विज्ञान विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय शैक्षिक नवाचार कार्यशाला में राजपुर ब्लॉक के शिक्षक अंशुल गुप्ता को सम्मानित किए जाने पर जनपद में हर्ष का माहौल है। इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।यह कार्यशाला चंदौसी में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न जनपदों से आए शिक्षकों ने भाग लिया। राजपुर ब्लॉक के करीम नगर डेरा स्थित संविलियन विद्यालय के सहायक अध्यापक अंशुल गुप्ता ने कार्यशाला में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से राज्यों की राजधानियों का वर्किंग मॉडल, सूर्य एवं चंद्र ग्रहण की प्रक्रिया तथा भूकंप चेतावनी यंत्र का मॉडल प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति को उपस्थित अधिकारियों और शिक्षकों ने सराहा। इसी क्रम में रसूलाबाद ब्लॉक के संविलियन विद्यालय कुर्सी के सहायक अध्यापक मो. शब्बीर ने पृथ्वी की परतों का क्ले मॉडल प्रदर्शित किया, जिसे भी काफी प्रशंसा मिली।कार्यक्रम में सम्भल की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती अलका शर्मा एवं शैक्षिक नवाचार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज सिंह ने दोनों शिक्षकों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह और पुष्पमालाएं भेंट कर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर शैक्षिक नवाचार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष व राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका पारुल निरंजन, जिला कोषाध्यक्ष शिवनाथ, विनय कुमार, राजपुर एआरपी प्रदीप निरंजन और शोमिल बाबू सहित अनेक शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार छात्रों में विषय के प्रति रुचि जागृत करते हैं और शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाते हैं। साथ ही, इससे जनपद का नाम प्रदेश स्तर पर भी गौरवान्वित होता है।

होली से पहले खाद्य तेल इकाइयों पर बड़ी कार्रवाई

» रनियां इंडस्ट्रियल एरिया में चार फैक्ट्रियों पर छापा, 30 हजार नग तेल सीज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने रनियां इंडस्ट्रियल एरिया में खाद्य तेल के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने एक साथ चार प्रमुख इकाइयों पर छापेमारी की। कार्रवाई से क्षेत्र में हलचल रही।

फूड सेफ्टी एवं ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की टीम ने संयुक्त आयुक्त हरी शंकर सिंह और डीओ राम अवतार सिंह के नेतृत्व में अभियान चलाया। लगभग 35 खाद्य सुरक्षा अधिकारी एक दर्जन से अधिक वाहनों से मौके पर पहुंचे और फैक्ट्रियों को घेर लिया। जिन इकाइयों में कार्रवाई की गई, उनमें बावर्ची वनस्पति, वैभव एडिबिल ऑयल और अग्रवाल एग्रो कंपनी आदि शामिल हैं। टीमों ने पाम ऑयल और रिफाइंड तेल के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं।कार्रवाई के दौरान करीब 30 हजार नग खाद्य तेल सीज किया गया। दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुई कार्रवाई रात 11 बजे तक चली। इस दौरान फैक्ट्रियों के अभिलेखों और स्टॉक का भी परीक्षण किया गया। बताया गया है कि यह अभियान आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देश पर चलाया जा रहा है। प्रदेश स्तर पर विशेष अभियान के तहत 78 टीमें 70 से अधिक इकाइयों पर एक साथ कार्रवाई कर रही हैं। विभाग के अधिकारियों के अनुसार त्योहारों के समय खाद्य तेल की मांग बढ़ जाती है। गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गजनेर थाने की कमान संभालते ही सख्त दिखे सूर्य प्रताप सिंह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के गजनेर थाने में नए थानाध्यक्ष के रूप में सूर्य प्रताप सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। चार्ज लेने के बाद उन्होंने थाना परिसर में पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण और नियमित गश्त व्यवस्था पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चोरी, अवैध खनन, नशे के कारोबार और महिला उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही थाने में आने वाले हर फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुनने और निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मासिक निरीक्षण में डीएम ने परखी ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा

सीसीटीवी व्यवस्था, साफ-सफाई और रखरखाव पर विशेष जोर, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जनपद स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, साफ-सफाई तथा रखरखाव की व्यवस्थाओं का गहनता से परीक्षण किया।

निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने वेयरहाउस परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की बारीकी से जांच की और संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।जिलाधिकारी ने साफ–सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव तथा सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। वेयरहाउस से संबंधित सभी व्यवस्थाएं नियमित रूप से जांची जाएं और किसी भी संभावित कमी को तत्काल दूर किया जाए।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें सपा से शेखू खान, भाजपा से श्यामू शुक्ला, कांग्रेस से गोविंद यादव, बसपा से आशुतोष गौतम तथा कम्युनिस्ट पार्टी से रामऔतार भारती सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने अंत में अधिकारियों को निर्देश दिया कि वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाएं पूर्णतः दुरुस्त रखी जाएं तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

कानपुर में फ्लॉवर शो 28 फरवरी से

पर्यावरण जागरूकता का देगा संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण और घरों, बंगलों व अपार्टमेंट्स में उगाए जा रहे शोभाकारी पौधों की सुंदरता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से कानपुर फ्लोरीकल्चर सोसायटी द्वारा 28 फरवरी 2026 और 01 मार्च 2026 को जे0के0 लॉन, कमला नगर में भव्य पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय इस आयोजन में शहर हरियाली और रंग–बिरंगे फूलों की खुशबू से महकेगा।

समिति की अध्यक्ष ऊषा झुनझुनवाला, उपाध्यक्ष डॉ0 सुषमा मानिकताला तथा सचिव राजश्री डालमियां ने संयुक्त रूप से बताया कि वर्ष 2007 में स्थापित सोसायटी प्रतिवर्ष इस प्रदर्शनी के माध्यम से फूलों व सजावटी पौधों के उत्पादन को बढ़ावा देती है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभागी अपने सजे–धजे लॉन, गमलों और दुर्लभ पौधों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

सचिव राजश्री डालमियां के अनुसार प्रदर्शनी में डहेलिया, ग्लैडियोलस, लिली, गुलाब, नरगिस, रजनीगंधा, डैफोडिल, ट्यूलिप, बिगोनिया सहित अनेक आकर्षक पुष्पों को 7 प्रमुख वर्गों और 133 उपश्रेणियों में विभाजित कर लगभग 3000 गमलों में प्रदर्शित किया जाएगा। विलुप्त होते शोभाकारी पौधों को भी विशेष स्थान दिया जाएगा।

समिति सदस्य रश्मी वैद्य और पूनम भार्गव ने बताया कि इस वर्ष प्रथम और द्वितीय वर्ग को व्यक्तिगत और संस्थागत श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इसके अतिरिक्त फूल सज्जा, बोनसाई, फल–सब्जियां, अचार एवं अन्य उत्पादों की प्रतियोगिताएं भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

समिति की सदस्य भारती गर्ग और अंजली अग्रवाल ने जानकारी दी कि सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के सहयोग से विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा किया जाएगा।

श्रीमती कंचन गर्ग, आभा अग्रवाल, आशा सिंघानिया, अंजूला गुप्ता व रश्मी वैद्य ने बताया कि बंगलों और फार्महाउसों को टैरिस लॉन, विशेष लॉन और वर्टिकल लॉन जैसी विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया है। विभिन्न संसाधनों से तैयार किए गए गमलों, सब्जियों और पौधों का मूल्यांकन समिति द्वारा कर विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रदर्शनी स्थल पर पौधशालाओं, कृषि और स्वास्थ्य से जुड़े उत्पादों के 15 से अधिक शिक्षाप्रद स्टॉल भी लगाए जाएंगे। शहर के छात्र–छात्राएं, उद्यानिकी से जुड़े व्यवसायी और आम नागरिक प्रदर्शनी का अवलोकन कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

सचेंडी पंचायत में दुकानों के संचालन में बड़ा खुलासा

10.31 लाख की देनदारी पर प्रधान व तीन सचिवों को नोटिस

» जांच में किराया वसूली और जमा अभिलेखों में मिला अंतर

» 15 दिन में जवाब न देने पर विभागीय कार्रवाई होना तय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

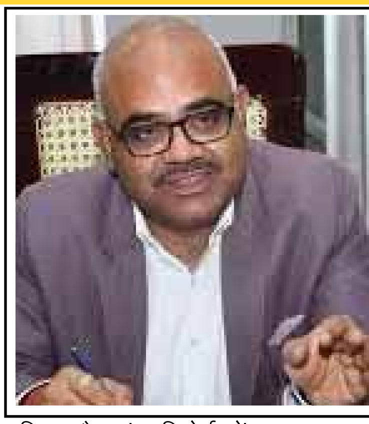

कानपुर । जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर कल्याणपुर ब्लॉक की सचेंडी ग्राम पंचायत में संचालित पंचायत दुकानों की जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर 10.31 लाख रुपये की राजस्व देनदारी पाए जाने पर ग्राम प्रधान और संबंधित तीन पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

प्रशासन को शिकायत मिली थी कि पंचायत की दुकानों के संचालन एवं किराया वसूली में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। इसके बाद गठित टीम ने अभिलेखों, किराया रसीदों और बैंक जमा विवरण की जांच की। जांच में पाया गया कि दुकानदारों से वसूला गया किराया और पंचायत खाते में जमा धनराशि के रिकॉर्ड में स्पष्ट अंतर है।

सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि कई दुकानों का संचालन मूल आवंटियों के स्थान पर अन्य व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था, जो नियमों का उल्लंघन है। पंचायत संपत्ति के उपयोग और राजस्व प्रबंधन में इस प्रकार की लापरवाही को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है।जांच रिपोर्ट में 10.31 लाख रुपये की राजस्व देनदारी चिन्हित की गई है। इस संबंध में ग्राम प्रधान एवं तीनों पंचायत सचिवों से 15 दिनों के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में संतोषजनक उत्तर न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्रवाई, वसूली और अन्य वैधानिक कदम उठाए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को पंचायत संपत्तियों के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी अनियमितताओं की पुनरावृत्ति रोकने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से पंचायत स्तर पर वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही को लेकर सख्त संदेश गया

गैंगस्टर पर प्रशासन का शिकंजा 22.35 करोड़ की संपत्ति कुर्क

डुगडुगी पिटवाकर मकान व गोदाम जब्त, 16 मार्च तक मांगे वैध दस्तावेज

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। जिले में अपराध के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त जुबैर खान की करोड़ों की संपत्ति कुर्क कर ली। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी इज्जत खां गिर्द निवासी आरोपी पर संगठित आपराधिक गतिविधियों से अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

जमीन को कुर्क करने की घोषणा करते प्रभारी निरीक्षक

गोदाम के बाद खड़ा फोर्स

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार जुबैर खान और उसके सात साथियों ने समाज विरोधी कृत्यों से धन एकत्र कर अपने और परिजनों के नाम पर अचल संपत्तियां खड़ी की थीं। जांच में आय के वैध स्रोतों का कोई प्रमाण न मिलने पर पुलिस अधीक्षक की संस्तुति पर जिलाधिकारी ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कुर्की के आदेश जारी किए।

प्रशासनिक टीम ने डुगडुगी पिटवाकर पहले आरोपी का आवासीय मकान सील किया,

इसके बाद गांव मऊ रशीदाबाद स्थित गोदाम और फिर लखनपुर में स्थित गोदाम को कुर्क किया गया। सर्किल रेट के अनुसार संपत्ति का मूल्य करीब 7.53 करोड़ रुपये आंका गया है,

जबकि बाजार मूल्य लगभग 22 करोड़ 35 लाख 69 हजार 623 रुपये बताया गया है। कुर्क संपत्तियों की देखरेख के लिए तहसीलदार कायमगंज को प्रशासक नियुक्त किया गया है। साथ ही आरोपी और उसके परिजनों रुखसाना व लड्डन खां को 16 मार्च तक वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने का नोटिस दिया गया है।

जुबैर खान के खिलाफ कायमगंज कोतवाली में आधा दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार विक्रम सिंह, प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन चतुर्वेदी सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन का कहना है कि अपराध से अर्जित संपत्ति पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

त्योहारों पर हुड़दंग बर्दाश्त नहीं, 112 पर करें तत्काल शिकायत: डीएम

» होली, रमजान व ईद को लेकर प्रशासन अलर्ट, जबरन रंग डालने व बाइक स्टंट

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। होली, रमजान एवं ईद के मद्देनज़र जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि त्योहारों की आड़ में किसी भी प्रकार की अराजकता या हुड़दंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह की उपस्थिति में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में सख्त निर्देश जारी किए गए।प्रशासन ने निर्णय लिया है कि जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में ई-रिक्शा के माध्यम से प्री-रिकॉर्डेड संदेश प्रसारित किए जाएंगे। इन संदेशों में लोगों से अपील की जाएगी कि किसी पर जबरन रंग न डालें, बिना सहमति होली न खेलें, परंपराओं का उल्लंघन न करें और अफवाहों से दूर रहें। साथ ही मोटरसाइकिलों से स्टंटबाजी, हुड़दंग और तेज आवाज में डीजे बजाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या अशांति की सूचना तुरंत डायल 112 पर दें। नगर निकायों की ओर से टोल फ्री नंबर 1533 भी जारी किया गया है, जहां नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बैठक में निर्देश दिया गया कि होलिका दहन स्थलों को लेकर किसी प्रकार का विवाद न हो, नई जगह पर होलिका दहन न किया जाए और कोई भी जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाए। धार्मिक स्थलों पर अनावश्यक रूप से रंग डालने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

विद्युत विभाग को सभी होलिका स्थलों पर लटके तारों को दुरुस्त करने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने को कहा गया है। वहीं नगर पालिका और नगर पंचायतों को साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था और कैटल कैचर से आवारा पशुओं को पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं। अग्निशमन विभाग को सभी दमकल वाहनों की जांच कर पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपजिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने को कहा गया है। प्रशासन ने साफ किया है कि त्योहारों को परंपरा, मर्यादा और आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाए, कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई तय है।

नगर निगम बैठक में बड़ा फैसला, 15प्रतिशत से अधिक डाउन टेंडर पर होगी विशेष जांच

स्वच्छता में लापरवाही बरतने वाली कंपनियों पर सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या की 11वीं बोर्ड बैठक में विकास कार्यों की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अहम निर्णय लिया गया।

अब यदि किसी निर्माण अथवा अन्य कार्य की निविदा 15 प्रतिशत से अधिक कम दर पर डाली जाएगी, तो उसकी विशेष जांच कराई जाएगी। यह फैसला गुणवत्ता से समझौता रोकने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लिया गया है।

बैठक की अध्यक्षता महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने की।

उन्होंने कहा कि राममंदिर निर्माण के बाद अयोध्या आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी सशक्त केंद्र बन रही है। इससे रोजगार, व्यापार और छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिला है।

उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में टेंपल इकोनॉमी मॉडल को मजबूती मिली है। बैठक में जलभराव, स्वच्छता, आईटीएमएस सिस्टम, विद्युत पोल, जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा हुई। साकेतपुरी

कॉलोनी को नगर निगम के अधीन लेने का अनुमोदन किया गया। साथ ही स्वच्छता में लापरवाही बरतने वाली कंपनियों पर सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया गया। बैठक का संचालन अपर आयुक्त सुमित कुमार ने किया।

नगर निगम में सत्ता भाजपा की, विकास विपक्ष का!

अनुज दास-सुल्तान अंसारी की बगावत से खुला राज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। देवकाली वार्ड के भाजपा पार्षद अनुज दास और अभिराम दास वार्ड के पार्षद सुल्तान अंसारी के इस्तीफे के बाद नगर निगम की अंदरूनी राजनीति बेनकाब हो गई है। दोनों पार्षदों ने साफ आरोप लगाया है कि निगम में भाजपा का महापौर होने के बावजूद विकास कार्यों में समाजवादी पार्टी के वार्डों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि सत्ताधारी दल के पार्षदों की लगातार अनदेखी हो रही है।

अनुज दास पार्षद देवकाली वार्ड

सुल्तान अंसारी पार्षद अविराम दास वार्ड

> महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा नगर निगम में विकास किसी दल के आधार पर नहीं, बल्कि जरूरत और प्राथमिकता के अनुसार होता है। सभी वार्डों को समान अवसर दिए जा रहे हैं। यदि किसी पार्षद को शिकायत है, तो वह सीधे मुझसे संपर्क करे, समाधान किया जाएगा। फिलहाल अयोध्या नगर निगम में यह विवाद राजनीतिक भूचाल का रूप लेता जा रहा है। अब देखना होगा कि नेतृत्व इसे संभाल पाता है या मामला और विस्फोटक बनता है।

बता दें कि नगर निगम में विकास कार्यों को लेकर अब असंतोष खुलकर सामने आ चुका है। भाजपा पार्षदों का कहना है कि सड़क, नाली, लाइट, सफाई और सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों के प्रस्ताव महीनों तक लंबित रहते हैं, जबकि विपक्षी वार्डों के प्रस्ताव तेजी से स्वीकृत हो जाते हैं। इससे कार्यकर्ताओं और जनता के बीच उनकी छवि कमजोर हो रही है।

अनुज दास और सुल्तान अंसारी का आरोप है कि उन्होंने कई बार बोर्ड बैठकों में अपनी बात रखी, लेकिन न तो उन्हें सुना गया और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई। इसी उपेक्षा से आहत होकर उन्होंने इस्तीफा देने जैसा कठोर कदम उठाया। स्वराज इंडिया की पड़ताल में सामने आया है कि हाल के महीनों में स्वीकृत बजट और योजनाओं का बड़ा हिस्सा विपक्षी क्षेत्रों में केंद्रित रहा है। इससे ÷राजनीतिक संतुलन÷ और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले दिनों में भाजपा के भीतर असंतोष और गहराने की आशंका जताई जा रही है।

रुदौली का वीर सपूत शहीद, हर आंख हुई नम

लेह-लद्दाख में ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली क्षेत्र के हंसराजपुर गांव निवासी भारतीय सेना के जवान देवेश सिंह के शहीद होने से पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई है। लेह-लद्दाख में ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पहले सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से गंभीर हालत में नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रेफर किया गया। उपचार के दौरान उन्होंने वीरगति प्राप्त की।

पिछले आठ वर्षों से भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे देवेश सिंह बचपन से ही देश सेवा के प्रति समर्पित थे। वे तीन बहनों के इकलौते भाई थे और परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। पिता रमेश सिंह किसान हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। अप्रैल में उनकी शादी की तिथि तय होने वाली थी, लेकिन उससे पहले ही यह दुखद समाचार आ गया। शहादत की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया। ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन परिजनों को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, शहीद का पार्थिव शरीर सोमवार देर रात गांव पहुंचा। मंगलवार दोपहर सैन्य व राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने वीर सपूत की कुर्बानी को नमन करते हुए कहा कि उनकी शहादत सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी।

इलाज के नाम पर अव्यवस्था, एक्सपायरी दवाओं और 'सिफारिश सिस्टम' के आरोप

स्वास्थ्य मेले की पोल खुली, कई गंभीर आरोप सामने आए

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

> इस पूरे मामले पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र भिटौरिया ने कहा कि मेले की विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। पड़ताल में यह साफ है कि जिस मेले से राहत मिलनी थी, वहीं अव्यवस्था और लापरवाही का अड्डा बन गया। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी, या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

अयोध्या। जनसेवा और स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर आयोजित एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला इस बार सवालों के घेरे में आ गया है। शहर के अयोध्या स्थित अवध इंटरनेशनल स्कूल में लगे इस मेले में अव्यवस्था, विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी और जल्द एक्सपायर होने वाली दवाओं के वितरण के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

यह मेला श्री गोरखनाथ पीठ न्यास और नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसका उद्घाटन कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया था। लेकिन उद्घाटन की चमक के पीछे मरीजों की पीड़ा दबकर रह गई।

गंगौली निवासी राकेश पाठक ने बताया कि घंटों लाइन में लगने के बावजूद जांच ठीक से नहीं हो सकी।

मरीज आरती मिश्रा ने आरोप लगाया कि मेले में 'पहुंच वाले' लोगों को प्राथमिकता दी गई, जबकि गरीब और जरूरतमंद मरीजों को नजरअंदाज किया गया। राधा रानी पांडेय ने बताया कि उन्हें जो चश्मा लिखा गया, वह वहां उपलब्ध ही नहीं था। सबसे गंभीर आरोप शिवांगी सिंह ने लगाया, जिन्होंने बताया कि उन्हें दी गई आई ड्रॉप की एक्सपायरी अवधि मात्र एक-दो महीने बची थी। इससे मरीजों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अयोध्या एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी सम्मानित

» जनशिकायतों पर सख्त निगरानी का असर नजर आया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनशिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अयोध्या जनपद ने आईजीआरएस की जनवरी माह की मूल्यांकन रिपोर्ट में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि का श्रेय नोडल अधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी की सक्रिय कार्यशैली और सख्त मॉनिटरिंग को दिया जा रहा है। लखनऊ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक प्रवीण कुमार द्वारा उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रशस्ति-पत्र में उल्लेख किया गया कि सीमित संसाधनों और अतिरिक्त जिम्मेदारियों के बावजूद बलवंत चौधरी ने शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया। पड़ताल में सामने आया है कि बीते महीनों में लंबित मामलों पर विशेष फोकस कर जवाबदेही तय की गई, जिससे फरियादियों का भरोसा सिस्टम पर बढ़ा। लगातार समीक्षा बैठकें, फीडबैक सिस्टम और डिजिटल निगरानी ने इस सफलता को मजबूत आधार दिया। इस उपलब्धि से उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। जानकारों का मानना है कि यह मॉडल अन्य जिलों के लिए भी मिसाल बनेगा और जनसुनवाई व्यवस्था को और पारदर्शी बनाएगा।

गद्दोपुर में पैमाइश बनी टकराव की वजह

» बिना पुलिस सुरक्षा पैमाइस करने पहुंची राजस्व टीम

अयोध्या। थाना कैंट क्षेत्र के गद्दोपुर गांव में जमीन की पैमाइश के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब दो पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद मारपीट में बदल गया। मौके पर मौजूद राजस्व टीम के सामने ही दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।सूत्रों के मुताबिक, विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष के कई लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में वे संदिग्ध परिस्थितियों में वहां से फरार हो गए। इस पूरे मामले ने प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।राजस्व विभाग की टीम ने घटना के बाद थाना कैंट में दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतना संवेदनशील मामला होने के बावजूद राजस्व टीम बिना पुलिस सुरक्षा के मौके पर क्यों पहुंची? क्या किसी बड़े टकराव का अंदेशा नहीं था? अगर स्थिति और बिगड़ती, तो कोई बड़ी अनहोनी भी हो सकती थी। जानकारों का कहना है कि ऐसे मामलों में उत्तर प्रदेश पुलिस की मौजूदगी जरूरी होती है, लेकिन लापरवाही ने हालात बिगाड़ दिए।

मेरठ में भीषण अग्निकांड

कपड़ा कारोबारी के घर 6 जिंदा जले

6 माह की जुड़वां समेत पांच मासूमों की मौत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

मेरठ। मेरठ में सोमवार देर शाम एक दर्दनाक अग्निकांड ने पूरे शहर को झकझोर दिया। कपड़ा कारोबारी आसिम के तीन मंजिला मकान में लगी भीषण आग में उनकी पत्नी और पांच बच्चों सहित छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में छह माह की जुड़वां बेटियां भी शामिल हैं।

- **हादसे के वक्त नमाज पढ़ने गए थे पिता, तीन मंजिला मकान में ग्राउंड फ्लोर से भड़की आग**
- **सेकंड फ्लोर पर फंसी महिला और बच्चों को नहीं बचा सके पड़ोसी व फायर ब्रिगेड की टीम**

जानकारी के अनुसार, कारोबारी आसिम नमाज पढ़ने घर से बाहर गए थे। उसी दौरान ग्राउंड फ्लोर में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में मौजूद लोगों को संभलने और बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। उस समय मकान में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 12 लोग मौजूद थे। लपटें और धुआं तेजी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गया। पड़ोसियों ने तत्परता दिखाते हुए फर्स्ट फ्लोर पर फंसे पांच लोगों को सीढ़ी लगाकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लेकिन सेकंड फ्लोर पर आसिम की पत्नी रुखसार (30) और पांच बच्चे फंस गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग और धुएं से घबराकर रुखसार ने बच्चों को बचाने की कोशिश में खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसी बीच सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंचीं। सेकंड फ्लोर तक सीधा रास्ता न मिलने पर पड़ोसी की दीवार तोड़कर अंदर पहुंचने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कमरे में सभी छह लोगों के शव मिले।

हादसे में रुखसार के साथ उनकी छह माह की जुड़वां बेटियां अनाबिया और इनायत, तीन साल का अकदस, तथा आसिम के भाई फारूक के बच्चे महविश (12) और हम्माद (4) की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में मातम पसरा है। पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। एक ही परिवार के छह लोगों की असमय मौत से पूरे मोहल्ले में शोक की लहर है। मासूम बच्चों की मौत ने इस त्रासदी को और भी मार्मिक बना दिया है।

झारखंड के चतरा में एयर एंबुलेंस क्रैश, सात लोगों की मौत

रांची से दिल्ली जा रहा चार्टर्ड विमान समरिया के जंगलों में गिरा, उड़ान के 20 मिनट बाद टूटा संपर्क

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

रांची। झारखंड के चतरा जिले में सोमवार शाम एक एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। विमान रांची से दिल्ली जा रहा था और समरिया क्षेत्र के जंगलों में गिरकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार, रेडबर्ड एवियशन का बीचक्राफ्ट किंग एयर बी90एल मॉडल का चार्टर्ड एयर एंबुलेंस विमान शाम 7 बजकर 11 मिनट पर रांची से रवाना हुआ था। उड़ान भरने के लगभग 20 मिनट बाद, करीब 7 बजकर 34 मिनट पर विमान का संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया। इसके कुछ ही देर बाद विमान के क्रैश होने की पुष्टि हुई।

विमान में कैप्टन विवेक विकास भगत (पायलट), कैप्टन सबराजदीप सिंह (को-पायलट), मरीज संजय कुमार, उनके परिजन अर्चना देवी और धूरू कुमार, डॉक्टर विकास कुमार गुप्ता तथा पैरामेडिकल स्टाफ सचिन कुमार मिश्रा सवार थे।

बताया गया कि लातेहार जिले के चंदवा निवासी 41 वर्षीय संजय कुमार 65 प्रतिशत तक झुलस गए थे और उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, खराब मौसम के कारण विमान ने रास्ता बदलने की अनुमति मांगी थी। इसी दौरान उसका संपर्क कोलकाता एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया और वह रडार से गायब हो गया। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर खराब मौसम को संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

आधी रात अस्पताल ले जाए गए इमरान खान, इलाज की पारदर्शिता पर सियासी घमासान

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मंगलवार तड़के अचानक अस्पताल ले जाए जाने की खबर से देश की राजनीति में हलचल मच गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उन्हें रात करीब दो बजे इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) पहुंचाया गया, जहां नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने उनकी आंखों की जांच की।

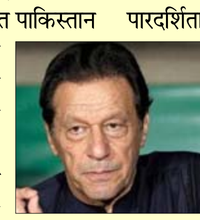

सूत्रों का कहना है कि इमरान खान की दाईं आंख की रोशनी प्रभावित होने की शिकायत के बाद चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। डॉक्टरों ने इलाज के तहत उन्हें विशेष इंजेक्शन थेरेपी देने का निर्णय लिया है। जानकारी के मुताबिक, तीन इंजेक्शन की श्रृंखला प्रस्तावित है, जिसमें से एक इंजेक्शन लगाया जा चुका है, जबकि अगला इंजेक्शन 24 मार्च को दिया जाना निर्धारित है। चिकित्सकों ने उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई है। उपचार के बाद उन्हें पुनः रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल भेज दिया गया।

इस घटनाक्रम पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर खान ने बयान जारी कर आधी रात को कराए गए इलाज पर सवाल उठाए और मांग की कि इमरान खान का उपचार उनके निजी चिकित्सकों की निगरानी में तथा पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराया जाए।

इमरान खान की बहन अलीमा खान ने भी परिवार को पूर्व सूचना न दिए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि चिकित्सा संबंधी सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जा रहीं और सरकारी रिपोर्टों पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं, मंत्री तारिक फजल चौधरी ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि इमरान खान को कानून के तहत सभी चिकित्सकीय और मानवीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।पूर्व प्रधानमंत्री की सेहत को लेकर उठे इन सवालों ने पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर नई बहस को जन्म दे दिया है, जहां पारदर्शिता, मानवाधिकार और राजनीतिक भरोसे को लेकर आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853,
❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com